भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग

प्रेस विज्ञप्ति
तारीखः 30 जुलाई, 2025
जारी करने का समय: 1345 घंटे

विषय: i) 30 जुलाई से 1 अगस्त के दौरान पूर्वी राजस्थान और मध्य प्रदेश में भारी से बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है, जबकि आज, 30 जुलाई, 2025 को पूर्वी राजस्थान और पश्चिमी मध्य प्रदेश में कुछ स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा हो सकती है।

ii) अगले 7 दिनों के दौरान पूर्वोत्तर भारत में भारी से बहुत भारी वर्षा जारी रहने की संभावना है।

iii) अगले 6-7 दिनों के दौरान दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत में और 1 अगस्त, 2025 से मध्य भारत में हल्की वर्षा होने की संभावना है।

पिछले 24 घंटों में 30 जुलाई, 2025 को सुबह 08:30 बजे IST तक का मौसम विवरण:

- ❖ पूर्वी राजस्थान और मध्य प्रदेश में अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा (≥21 सेमी) दर्ज की गई है।
- ❖ जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, असम और मेघालय में अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा (7-20 सेमी) दर्ज की गई है; पूर्वी उत्तर प्रदेश, विदर्भ, छत्तीसगढ़, बिहार, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड, मिजोरम, मध्य महाराष्ट्र और दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा (7-11 सेमी) दर्ज की गई है।
- ❖ अधिक जानकारी के लिए कृपया **अनुलग्नक I देखें।**

i. मौसम प्रणालियाँ, पूर्वानुमान और चेतावनियाँ (अनुलग्नक II और III देखें):

- ✓ मानसून की द्रोणिका समुद्र तल पर अपनी सामान्य स्थिति के दक्षिण में चल रही है।
- ✓ उत्तर-पश्चिम मध्य प्रदेश और आसपास के क्षेत्रों में कल बना निम्न दबाव का क्षेत्र कल, 29 जुलाई, 2025 को 1730 बजे IST पर कम स्पष्ट हो गया है। हालाँकि, इससे जुड़ा चक्रवाती परिसंचरण मध्य क्षोभमंडल स्तर तक फैला हुआ है और ऊँचाई के साथ दक्षिण-पश्चिम की ओर झुका हुआ है, जो उसी क्षेत्र में बना हुआ है।
- ✓ निचले और मध्य क्षोभमंडल स्तरों पर उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी और उससे सटे गंगीय पश्चिम बंगाल और ओडिशा के ऊपर एक ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है।
- ✓ निचले क्षोभमंडल स्तरों पर दक्षिण-पश्चिम राजस्थान के ऊपर एक ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है।
- ✓ निचले और मध्य क्षोभमंडल स्तरों पर पंजाब और उससे सटे पाकिस्तान के ऊपर एक पश्चिमी विक्षोभ चक्रवाती परिसंचरण के रूप में देखा जा रहा है।
- ✓ निचले क्षोभमंडल स्तरों पर उत्तर-पश्चिम मध्य प्रदेश से उत्तर-पूर्व बंगाल की खाड़ी तक एक द्रोणिका बनी हुई है।

इन प्रणालियों के प्रभाव से निम्नलिखित मौसम की संभावना है:

उत्तर-पश्चिम भारत:

- ✓ 30 जुलाई को पूर्वी राजस्थान में अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा होने की संभावना है।
- ✓ 31 जुलाई को जम्मू-कश्मीर में; 30 जुलाई से 5 अगस्त के दौरान हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड; 3-5 अगस्त के दौरान पंजाब; 30 जुलाई और 2-5 अगस्त के दौरान हरियाणा, चंडीगढ़ और पूर्वी उत्तर प्रदेश; 30 जुलाई और 3-5 अगस्त के

दौरान पश्चिमी उत्तर प्रदेश; 30 जुलाई से 1 अगस्त के दौरान पश्चिमी राजस्थान; 30 जुलाई से 1 अगस्त और 4 व 5 अगस्त के दौरान पूर्वी राजस्थान में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना है; 30 जुलाई को जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश; 30 और 31 जुलाई को पश्चिमी राजस्थान; 31 जुलाई को पूर्वी राजस्थान में अलग-अलग स्थानों पर बहुत भारी वर्षा हो सकती है।

- ✓ अगले 7 दिनों के दौरान पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र और मैदानी इलाकों में कुछ स्थानों पर गरज, बिजली के साथ कई स्थानों पर हल्की/मध्यम वर्षा होने की संभावना है।

पश्चिम भारत:

- ✓ 30 जुलाई को कोंकण और मध्य महाराष्ट्र के घाट क्षेत्रों में कुछ स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना है।
- ✓ अगले 6-7 दिनों के दौरान इस क्षेत्र में कई स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है।

पूर्वोत्तर भारत:

- ✓ 30 और 31 जुलाई को अरुणाचल प्रदेश में, 30 को असम और मेघालय में, तथा 30 जुलाई से 5 अगस्त के दौरान नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में कई स्थानों पर हल्की/मध्यम वर्षा, गरज के साथ बिजली गिरने और कुछ स्थानों पर भारी वर्षा जारी रहने की संभावना है। 1 से 5 अगस्त के दौरान अरुणाचल प्रदेश में, 31 जुलाई से 5 अगस्त के दौरान असम और मेघालय में कुछ स्थानों पर बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है।

पूर्वी और मध्य भारत:

- ✓ 30 जुलाई को पश्चिमी मध्य प्रदेश में अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा होने की संभावना है।
- ✓ 30 जुलाई से 1 अगस्त और 5 अगस्त के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में; 31 जुलाई को गंगीय पश्चिम बंगाल, ओडिशा; 30 जुलाई से 2 अगस्त और 5 अगस्त के दौरान बिहार; 30 जुलाई से 1 अगस्त के दौरान झारखंड; 30 और 31 जुलाई को छत्तीसगढ़; 31 जुलाई और 1 अगस्त को मध्य प्रदेश में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना है; 30 जुलाई को पूर्वी मध्य प्रदेश, ओडिशा और गंगीय पश्चिम बंगाल में; 2 से 4 अगस्त के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; 3 और 4 अगस्त को बिहार में अलग-अलग स्थानों पर बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है।
- ✓ अगले 5 दिनों के दौरान क्षेत्र में अधिकांश/कई स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा के साथ-साथ गरज और बिजली गिरने की संभावना है।

दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत:

- ✓ 30 जुलाई को दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में, 2 से 5 जुलाई के दौरान तमिलनाडु में, 3 से 5 अगस्त के दौरान केरल और माहे में कुछ स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना है।
- ✓ अगले 5 दिनों के दौरान दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत में तेज़ सतही हवाएँ (40-50 किमी प्रति घंटे की गति) चलने की संभावना है।
- ✓ अगले 7 दिनों के दौरान केरल और माहे, लक्षद्वीप, कर्नाटक, रायलसीमा, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम और तेलंगाना में कुछ/कई स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा हो सकती है।

गर्म और आर्द्र मौसम की चेतावनी:

- ✓ 30 और 31 जुलाई को तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में गर्म और आर्द्र मौसम रहने की संभावना है।

मछुआरों के लिए चेतावनी:

- ✓ मछुआरों को 30 जुलाई से 4 अगस्त 2025 तक निम्नलिखित क्षेत्रों में जाने से बचने की सलाह दी जाती है:
  अरब सागर:
- ✓ 30 जुलाई से 2 अगस्त के दौरान गुजरात, कोंकण और गोवा तटों और आसपास के समुद्री क्षेत्रों में; 30 और 31 जुलाई को केरल, कर्नाटक तटों में; 30 जुलाई से 4 अगस्त के दौरान दक्षिण-पूर्व और दक्षिण-पश्चिम अरब सागर के कुछ हिस्सों में; 30 जुलाई से 2 अगस्त के दौरान संपूर्ण मध्य अरब सागर में; 3 और 4 अगस्त को मध्य अरब सागर के अधिकांश हिस्सों में; 30 जुलाई से 2 अगस्त के दौरान उत्तरी अरब सागर के दक्षिणी हिस्सों में; 30 जुलाई से 4 अगस्त

के दौरान सोमालिया तट और आसपास के समुद्री क्षेत्रों, दक्षिण ओमान और यमन तट और आसपास के समुद्री क्षेत्रों में जाने से बचें।

बंगाल की खाड़ी:

- ✓ 30 जुलाई को पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्से; 31 जुलाई को मध्य बंगाल की खाड़ी और उससे सटे उत्तरी बंगाल की खाड़ी के कई हिस्से; 01 अगस्त को पूर्व-मध्य और पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी के कुछ उत्तरी हिस्से; 30 जुलाई से 04 अगस्त के दौरान दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्से; 30 जुलाई और 04 अगस्त के दौरान मन्नार की खाड़ी में जाने से बचें।

ii. 30 जुलाई से 02 अगस्त 2025 के दौरान दिल्ली/एनसीआर में मौसम की स्थिति और पूर्वानुमान (अनुलग्नक IV)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forcast_bulletin.php

जिलेवार चेतावनियों के लिए देखें: https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

अनुलग्नक I

वर्षा रिकॉर्ड की गई (से.मी.):

- ✓ **पश्चिमी मध्य प्रदेश:** गुना-आव्स (जिला गुना) 32, बमोरी (जिला गुना) 25, ईसागढ़ (जिला अशोकनगर) 25, बदरवास (जिला शिवपुरी) 22, शमशाबाद (जिला विदिशा) 19, सालवानी (जिला रायसेन) 19, नरवर (जिला शिवपुरी) 18, नटेरन (जिला विदिशा) 17, पोहरी (जिला शिवपुरी) 17, गैरतगंग (जिला रायसेन) 17, बड़ी (जिला रायसेन) 16, विदिशा (जिला विदिशा) 16, रायसेन-आवास (जिला रायसेन) 16, उदयपुरा (जिला रायसेन) 16, करहल (जिला श्योपुर) 15, अशोकनगर-आवास (जिला अशोकनगर) 15, आरोन (जिला गुना) 15, बैराड़ (जिला शिवपुरी) 15, श्योपुर-आव्स (जिला श्योपुर) 15, गोहरगंज (जिला रायसेन) 15, मकसूदनगढ़ (जिला गुना) 14, कुंभराज (जिला गुना) 14, चाचौड़ा (जिला गुना) 14, राघोगढ़ (जिला गुना) 13, गंजबासौदा (जिला विदिशा) 13, कुरवाई (जिला विदिशा) 13, बेगमगंज (जिला रायसेन) 13, ब्यावरा (जिला राजगढ़) 13, नरसिंहगढ़ (जिला राजगढ़) 13, गुलाबगंज (जिला विदिशा) 13, सीहोर- एडब्ल्यूएस (जिला सीहोर) 12, सिरोंज (जिला विदिशा) 12, कोलार (जिला भोपाल) 12, बरेली (जिला रायसेन) 12, कालापीपल (जिला शाजापुर) 11, देवरी (जिला रायसेन) 11, कोलारस (जिला शिवपुरी) 11, सुल्तानपुर (जिला रायसेन) 11, लटेरि (जिला विदिशा) 10, बडोदा (जिला श्योपुर) 10, शिवपुरी (जिला शिवपुरी) 10, ग्यारसपुर (जिला विदिशा) 10, भोपाल अरेरा हिल्स (जिला भोपाल) 10, नवीबाग एट (जिला भोपाल) 9, बैरागढ़ हवाई अड्डा (जिला भोपाल) 9, बैरसिया (जिला भोपाल) 9, बनखेड़ी (जिला नर्मदापुरम) 9, पथरी (जिला) विदिशा) 9, इछावर (जिला सीहोर) 9, पिपरिया (जिला नर्मदापुरम) 8, श्यामपुर (जिला सीहोर) 8, राजगढ़ (जिला राजगढ़) 8, भितरवार (जिला ग्वालियर) 8, खिलचीपुर (जिला राजगढ़) 8, पचोर (जिला राजगढ़) 8, जीरापुर (जिला राजगढ़) 8, गुलाना (जिला शाजापुर) 7, सारंगपुर (जिला राजगढ़) 7, शुजालपुर (जिला शाजापुर) 7, मोमन बड़ोदिया (जिला शाजापुर) 7, मऊ (जिला भिंड) 7;
- ✓ **पूर्वी राजस्थान:** खंडार सीनियर (जिला सवाई माधोपुर) 23, मलेरैनाडूंगर सीनियर (जिला सवाई माधोपुर) 22, सवाईमाधोपुर तसील सीनियर (जिला सवाई माधोपुर) 21, चोथकाबरवाड़ा सीनियर (जिला सवाई माधोपुर) 19, निवाई (जिला टोंक) 17, शाहाबाद (जिला बारां) 16, छबड़ा (जिला बारां) 15, छीपाबड़ौद सीनियर (जिला बारां) 14, अटरू सीनियर (जिला बारां) 13, किशनगंज (जिला बारां) 12, पीपल्दा सीनियर (जिला कोटा) 11, टोंक वनस्थली (जिला टोंक) 10, बोंली (जिला सवाई माधोपुर) 10, उनियारा/अलीगढ़ (जिला टोंक) 10, दौसा (जिला दौसा) 10, मनोहर थाना (जिला) झालावाड़ 10, बहरोड़ (जिला अलवर) 9, लालसोट (जिला दौसा) 9, बारां (जिला बारां) 9, अकलेरा (जिला झालावाड़) 9, इंदरगढ़ सीनियर (जिला बूंदी) 8, मलसीसर सीनियर (जिला झुंझुनू) 7, मांगरोल (जिला बारां) 7, टोंक तहसील सीनियर (जिला टोंक) 7;

- ✓ **पूर्वी मध्य प्रदेश**: देवरी (जिला सागर) 22, गोटेगांव (जिला नरसिंहपुर) 11, तेंदूखेड़ा (जिला नरसिंहपुर) 10, गाडरवारा (जिला नरसिंहपुर) 10, केसली (जिला सागर) 10, नौगांव (जिला छतरपुर) 9, खुरई (जिला सागर) 8, नारायणगंज (जिला मंडला) 7;
- ✓ **जम्मू-कश्मीर:** उधमपुर (जिला उधमपुर) 20, रियासी अर्ग (जिला रियासी) 11;
- ✓ हिमाचल प्रदेश: चुआरी (जिला चंबा) 18, पालमपुर (जिला कांगड़ा) 16, कांगड़ा (जिला कांगड़ा) 12, नादौन (जिला हमीरपुर) 8;
- ✓ **पश्चिमी उत्तर प्रदेश**: आगरा (सीडब्ल्यूसी) (जिला आगरा) 12;
- ✓ **उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल**: झलोंग (जिला कलिम्पोंग) 11;
- ✓ **अरुणाचल प्रदेश**: लेकांग अर्ग (जिला नामसाई) 11;
- ✓ **असम और मेघालय**: दलगांव अर्ग (जिला दारांग) 11, चेरापूंजी (आरकेएम) (जिला पूर्वी खासी हिल्स) 10, मावसिनराम (जिला पूर्वी खासी हिल्स) 9, चेरापूंजी (जिला पूर्वी खासी हिल्स) 8;
- ✓ **ओडिशा**: हाताडीही (जिला क्योंझरगढ़) 11, कांटापाड़ा (जिला कटक) 8, पाइकमाल (जिला बरगढ़) 8, बिरिडी (जिला जगतसिंहपुर) 7, स्वाम-पटना (जिला क्योंझारगढ़) 7, पट्टामुंडई (जिला कैंद्रपाड़ा) 7, डेराबीस (जिला कैंद्रपाड़ा) 7, नियाली (जिला कटक) 7, जगतसिंहपुर (जिला जगतसिंहपुर) 7, बंगामुंडा (जिला बोलांगीर) 7;
- ✓ **नागालैंड और मिजोरम**: कोलासिब एग्री (जिला कोलासिब) 10, कोलासिब_एडब्ल्यूएस (जिला कोलासिब) 8, वोखा सदर एनएसडीएमए (जिला वोखा) 7;
- ✓ **दक्षिण आंतरिक कर्नाटक**: अगुम्बे एडब्ल्यूएस (जिला शिवमोग्गा) 9;
- ✓ **छत्तीसगढ़**: भानुप्रतापपुर (जिला कांकेर) 9, मैनपुर (जिला गरियाबंद) 7;
- ✓ **गांगेय पश्चिम बंगाल**: कैनिंग (जिला दक्षिण 24 परगना) 8, मो साल्टलेक (जिला उत्तर 24 परगना) 6;
- ✓ **मध्य महाराष्ट्र**: सुरगना (जिला नासिक) 7, राधानगरी (जिला कोल्हापुर) 7;
- ✓ **विदर्भ**: कोरची (जिला गढ़चिरौली) 7;
- ✓ **पूर्वी उत्तर प्रदेश**: फ़तेहपुर तहसील (जिला बाराबंकी) 7, डाबरी एफएमओ (जिला फर्रुखाबाद) 7;
- ✓ **बिहार**: रफीगंज (जिला औरंगाबाद) 7

अनुलग्नक II

Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	**Subdivision**	**30- Jul**	**31- Jul**	**1- Aug**	**2- Aug**	**3- Aug**	**4- Aug**	**5- Aug**
		Day 1	**Day 2**	**Day 3**	**Day 4**	**Day 5**	**Day 6**	**Day 7**
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	FWS	FWS	FWS	WS	WS	FWS	FWS
2	ARUNACHAL PRADESH	FWS	FWS	WS	WS	WS	WS	WS
3	ASSAM & MEHGHALAYA	FWS	FWS	FWS	WS	WS	WS	WS
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	FWS	FWS	FWS	WS	WS	WS	WS
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
6	GANGETIC WEST BENGAL	WS	WS	WS	FWS	FWS	FWS	FWS
7	ODISHA	FWS	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
8	JHARKHAND	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS
9	BIHAR	FWS	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT
10	EAST UTTAR PRADESH	FWS	SCT	ISOL	SCT	FWS	FWS	FWS
11	WEST UTTAR PRADESH	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS
12	UTTARAKHAND	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	WS	WS
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	FWS	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS
14	PUNJAB	SCT	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS
15	HIMACHAL PRADESH	WS	WS	FWS	FWS	FWS	WS	WS
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	WS	FWS	SCT	SCT	ISOL	SCT	FWS
17	WEST RAJASTHAN	FWS	WS	FWS	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
18	EAST RAJASTHAN	WS	WS	FWS	SCT	SCT	ISOL	ISOL
19	WEST MADHYA PRADESH	WS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT
20	EAST MADHYA PRADESH	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT
21	GUJRAT REGION	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
22	SAURASHTRA & KUTCH	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
23	KONKAN & GOA	WS	WS	WS	FWS	WS	FWS	FWS
24	MADHYA MAHARASHTRA	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
25	MARATHWADA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
26	VIDARBHA	WS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT
27	CHHATTISGARH	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
29	TELANGANA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
30	RAYALASEEMA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
32	COSTAL KARNATAKA	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS	FWS
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT	ISOL	ISOL
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
35	KERALA AND MAHE	FWS	FWS	FWS	WS	WS	WS	WS
36	LAKSHADWEEP	FWS	FWS	FWS	WS	WS	WS	WS

- **जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।**

अनुलग्नक III

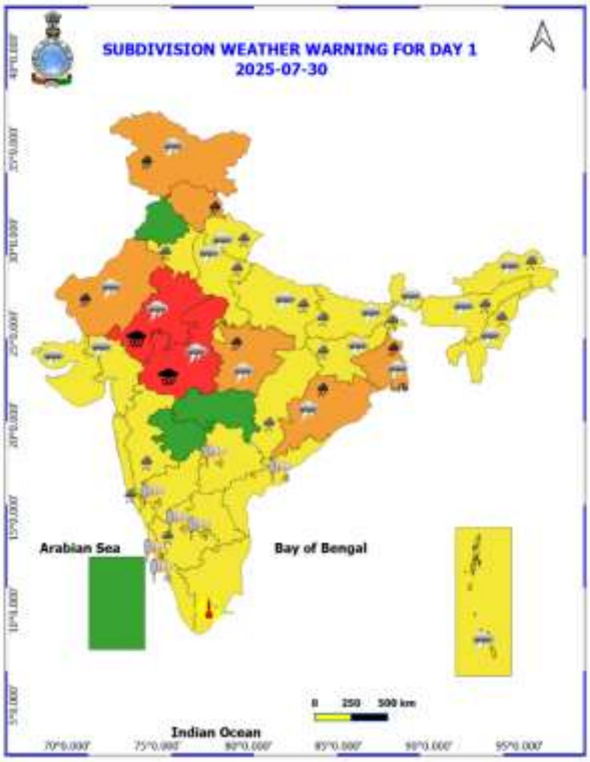
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 1
2025-07-30
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

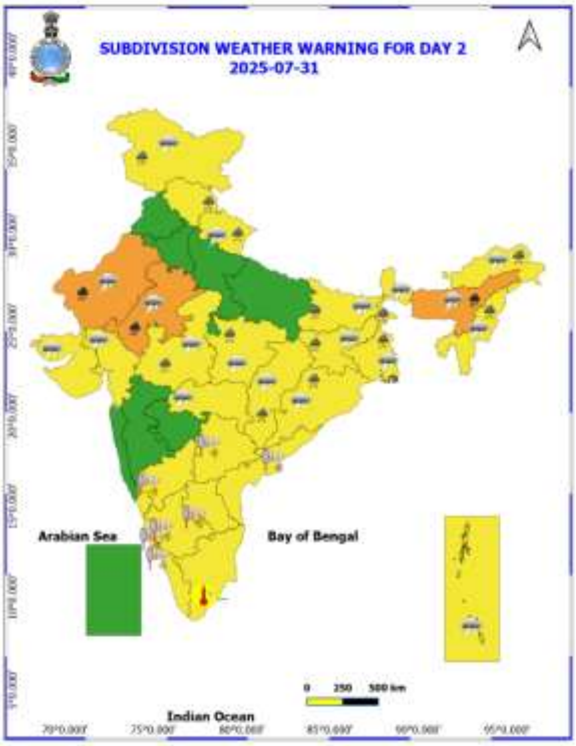
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 2
2025-07-31
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

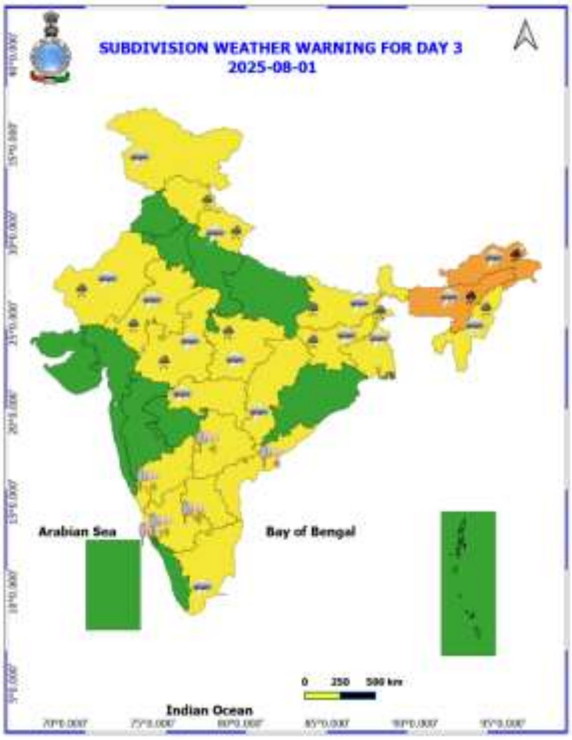
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 3
2025-08-01
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

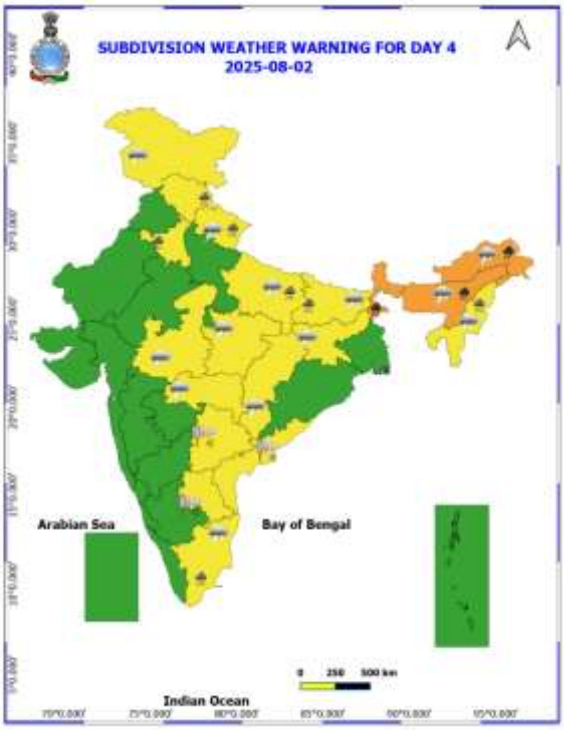

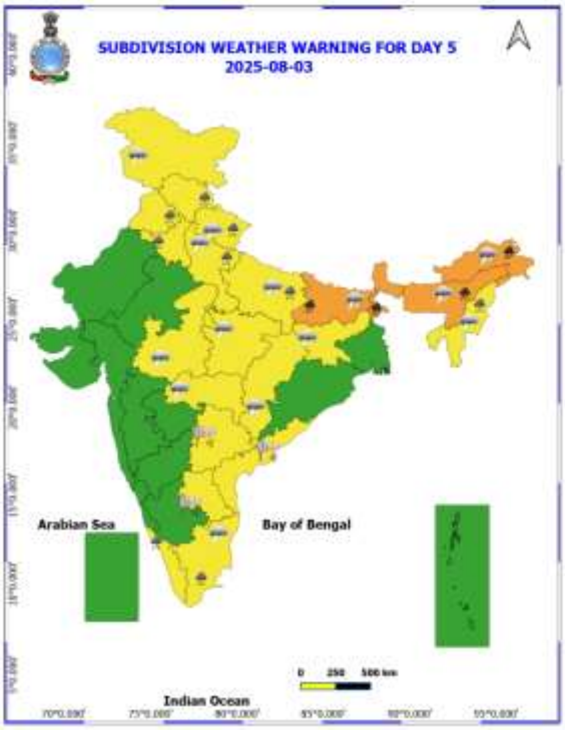

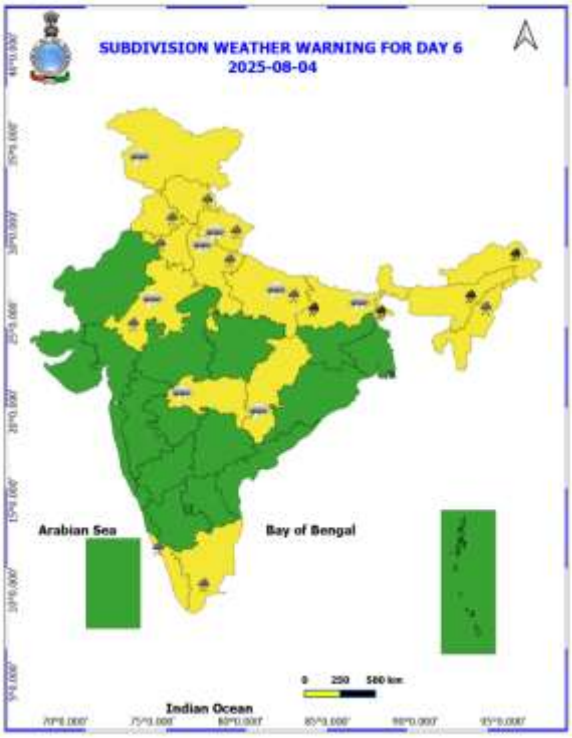

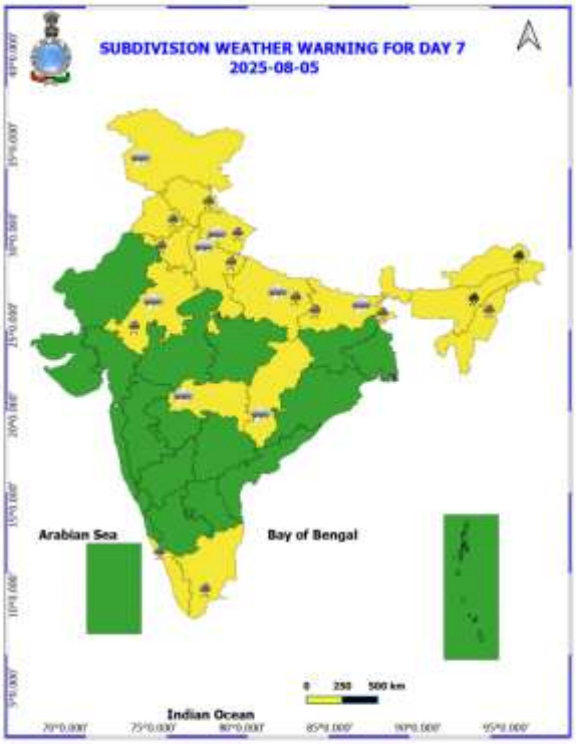

- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है
https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

दिल्ली/एनसीआर में 30 जुलाई से 02 अगस्त 2025 तक का मौसम पूर्वानुमान

पिछला मौसम:

पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली/एनसीआर में न्यूनतम तापमान में 1-2 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान में 6 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट दर्ज की गई है। दिल्ली में अधिकतम तापमान लगभग 28 से 29 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान लगभग 25 से 26 डिग्री सेल्सियस रहा। न्यूनतम तापमान सामान्य के करीब रहा, जबकि अधिकतम तापमान सामान्य से 4-6 डिग्री सेल्सियस तक कम रहा। बीते 24 घंटों के दौरान आसमान आमतौर पर बादलों से ढका रहा और सतह की प्रमुख हवा पूर्व दिशा से लगभग 10 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चली। दिल्ली के अधिकांश स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा दर्ज की गई, जबकि कुछ स्थानों पर भारी वर्षा भी हुई। आज पूर्वाह्न में आसमान आमतौर पर बादलों से घिरा रहा और हवा की दिशा उत्तर-पूर्व रही, जिसकी गति 18 किमी प्रति घंटे से कम रही।

मौसम पूर्वानुमान:

30.07.2025: आम तौर पर बादल छाए रहेंगे। कई स्थानों पर एक या दो बार हल्की वर्षा होने की संभावना है, तथा शाम/रात के समय गरज/बिजली के साथ छिटपुट स्थानों पर मध्यम वर्षा होने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम तापमान 30 से 32 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है, जो सामान्य से 2 से 4 डिग्री सेल्सियस कम रहेगा। सतह की प्रमुख हवा दोपहर, शाम और रात में दक्षिण-पूर्व दिशा से 10-15 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलेगी।

31.07.2025: आम तौर पर बादल छाए रहेंगे। हल्की से मध्यम वर्षा और गरज/बिजली गिरने की संभावना है। अधिकतम तापमान 30 से 32 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 23 से 25 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य से 2 से 4 डिग्री सेल्सियस कम रहेगा और अधिकतम तापमान भी सामान्य से 2 से 4 डिग्री सेल्सियस कम रहेगा। सुबह में हवा की गति दक्षिण-पूर्व दिशा से 08-10 किमी प्रति घंटे रहेगी, जो दोपहर में बढ़कर 10-15 किमी प्रति घंटे हो जाएगी और शाम व रात में भी यही गति बनी रहेगी।

01.08.2025: आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। बहुत हल्की से हल्की वर्षा के साथ गरज/बिजली गिरने की संभावना है। अधिकतम तापमान 33 से 35 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 23 से 25 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य से 2 से 4 डिग्री सेल्सियस कम रहेगा और अधिकतम तापमान सामान्य के आसपास रहेगा। सुबह में हवा की दिशा पूर्व रहेगी और गति 10-15 किमी प्रति घंटे से कम रहेगी। दोपहर, शाम और रात में हवा की दिशा दक्षिण-पूर्व बनी रहेगी, लेकिन गति 10-15 किमी प्रति घंटे से कम रहेगी।

02.08.2025: आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। बहुत हल्की से हल्की वर्षा के साथ गरज/बिजली गिरने की संभावना है। अधिकतम तापमान 33 से 35 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 23 से 25 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य से 2 से 4 डिग्री सेल्सियस कम रहेगा और अधिकतम तापमान सामान्य के आसपास रहेगा। सुबह, दोपहर, शाम और रात में हवा की दिशा दक्षिण-पूर्व बनी रहेगी, और गति 05-10 किमी प्रति घंटे से 10 किमी प्रति घंटे के बीच रहेगी।

हल्की से मध्यम वर्षा और गरज/बिजली गिरने के कारण संभावित प्रभाव एवं सुझावित कार्रवाई:

- सावधानी बरतें और आवश्यक एहतियाती कदम उठाएं क्योंकि गरज/बिजली गिरने की संभावना है।
- खड़ी फसलों को नुकसान, पेड़ों की शाखाएं टूटने से बिजली और संचार लाइनों को आंशिक से गंभीर क्षति, कमजोर ढांचों को आंशिक नुकसान, ढीली वस्तुएं उड़ सकती हैं।
- लोगों को सलाह दी जाती है कि मौसम की स्थिति पर नजर बनाए रखें और यदि स्थिति खराब हो तो सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए तैयार रहें।
- घर के अंदर रहें, खिड़की-दरवाज़े बंद करें और यात्रा से बचें।
- सुरक्षित आश्रय लें, पेड़ों के नीचे शरण न लें, कंक्रीट की ज़मीन पर न लेटें और कंक्रीट की दीवारों से न लगें।

• बिजली/इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के प्लग निकालें, जल स्रोतों से तुरंत बाहर आ जाएं और सभी विद्युत प्रवाहक वस्तुओं से दूर रहें।

अत्यधिक भारी वर्षा/बहुत भारी वर्षा के कारण सुझाए गए प्रभाव और कार्रवाई:

- ❖ 30 जुलाई को पूर्वी राजस्थान और पश्चिमी मध्य प्रदेश में अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा होने की संभावना है।
- ❖ 30 तारीख को जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, ओडिशा और गंगीय पश्चिम बंगाल में; 30 और 31 तारीख को पश्चिमी राजस्थान; 31 तारीख को पूर्वी राजस्थान; 01-05 अगस्त के दौरान अरुणाचल प्रदेश; 31 जुलाई से 05 अगस्त के दौरान असम और मेघालय; 02-04 के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; 03 और 04 अगस्त को बिहार में बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है।

अपेक्षित प्रभाव

- ❖ स्थानीय स्तर पर सड़कों पर बाढ़, निचले इलाकों में जलभराव और मुख्य रूप से उपरोक्त क्षेत्र के शहरी इलाकों में अंडरपास बंद होना।
- ❖ भारी वर्षा के कारण कभी-कभी दृश्यता में कमी।
- ❖ सड़कों पर जलभराव के कारण प्रमुख शहरों में यातायात बाधित होना, जिससे यात्रा का समय बढ़ जाएगा।
- ❖ कच्ची सड़कों को मामूली नुकसान।
- ❖ कमजोर संरचनाओं को नुकसान की संभावना।
- ❖ स्थानीय स्तर पर भूस्खलन/मिट्टी का धंसना।
- ❖ जलभराव के कारण कुछ क्षेत्रों में बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान।
- ❖ इससे कुछ नदी जलग्रहण क्षेत्रों में बाढ़ आ सकती है (नदी बाढ़ के लिए कृपया सीडब्ल्यूसी के वेब पेज पर जाएँ)।

सुझाई गई कार्रवाई

- ❖ अपने गंतव्य के लिए रवाना होने से पहले अपने मार्ग पर यातायात की भीड़ की जांच करें।
- ❖ इस संबंध में जारी किए गए किसी भी यातायात सलाह का पालन करें।
- ❖ उन क्षेत्रों में जाने से बचें जहाँ अक्सर जलभराव की समस्या होती है।
- ❖ असुरक्षित संरचनाओं में रहने से बचें।

भारी / भारी से बहुत भारी वर्षा / अत्यधिक भारी वर्षा के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- ➢ **पूर्वी राजस्थान** में, **उप-आर्द्र दक्षिणी मैदान और अरावली पर्वतीय क्षेत्र** तथा **बाढ़ प्रवण पूर्वी मैदानी क्षेत्र** में मूंग, बाजरा, ग्वार और तिल की बुवाई भारी वर्षा बंद होने तक स्थगित रखें और पहले से बोए गए खेतों से अतिरिक्त पानी निकालने हेतु उचित व्यवस्था करें। **उप आर्द्र दक्षिणी मैदान और अरावली पहाड़ी क्षेत्र** और **बाढ़ प्रवण पूर्वी मैदान क्षेत्र** में मूंग, बाजरा, ग्वार और तिल, **दक्षिणी आर्द्र मैदानी क्षेत्र** में सोयाबीन, कपास, उड़द और मक्का, **अर्ध शुष्क पूर्वी मैदानी क्षेत्र** में बाजरा, मक्का, मूंगफली और सब्जियों के खेतों से अतिरिक्त पानी निकालने हेतु उचित व्यवस्था करें।
- ➢ **मध्य प्रदेश** के **गिर्द क्षेत्र** में, बाजरा और सब्जियों की बुआई स्थगित कर दें और भारी बारिश बंद होने तक पहले से बोए जा चुके उड़द, मूंग, सोयाबीन, बाजरा और सब्जियों के खेतों से जल निकासी की उचित व्यवस्था बनाये रखें । **मध्य नर्मदा घाटी क्षेत्र** में धान, सोयाबीन, मक्का, गन्ना और सब्जियों, **मालवा पठार क्षेत्र** में सोयाबीन, मूंगफली, उड़द और कपास, **विंध्य पठार क्षेत्र** में सोयाबीन, धान, मक्का और अरहर के खेतों में अतिरिक्त पानी निकालने हेतु उचित व्यवस्था करें।
- ➢ **मध्य महाराष्ट्र** के घाट क्षेत्रों में धान और रागी के खेतों से अतिरिक्त पानी निकालने हेतु उचित व्यवस्था करें।
- ➢ **उत्तराखंड** में, **भाबर और तराई क्षेत्र** में धान, **पहाड़ी क्षेत्र** में उड़द और **उप-आर्द्र उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्र** में धान, बाजरा, रागी और खीरे के खेतों में उचित जल निकासी चैनल बनाए रखें।
- ➢ **हिमाचल प्रदेश** में, **उप-मोंटेन और निचली पहाड़ी उप-उष्णकटिबंधीय क्षेत्र** में पानी के ठहराव को रोकने के लिए धान, मक्का, दलहनी और सब्जी वर्गीय फसलों के निचले इलाकों में जल निकासी चैनल बनाये रखें । लताओं और लंबी टहनी वाली सब्जी

वर्गीय फसलों (जैसे, टमाटर, शिमला मिर्च) के पौधों को सहारा प्रदान करें। **उच्च पर्वतीय उप शीतोष्ण आर्द्र क्षेत्र** में सब्जी वर्गीय फसलों, मक्का, बाजरा और राजमा के खेतों में उचित जल निकासी चैनल का निर्माण करें।

- **बिहार** के **दक्षिण बिहार जलोढ़ क्षेत्र** में धान, अरहर, खरीफ मक्का, भिंडी और बागानों में जल निकासी की पर्याप्त व्यवस्था करें।
- **पश्चिम बंगाल** के **तटीय लवणीय क्षेत्र** में सब्जियों की क्यारियों, खड़ी सब्जियों की फसलों और पान के बगीचों में जल निकासी की उचित व्यवस्था करें।
- **ओडिशा** में, जलभराव को रोकने के लिए **पूर्वी और दक्षिण-पूर्वी घाट क्षेत्रों के उच्च वर्षा वाले क्षेत्रों** में सभी फसलों (विशेष रूप से मक्का और सब्जियों) में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें। **उत्तर पूर्वी तटीय मैदानी क्षेत्र** में, धान की नर्सरी, जूट और सब्जियों के खेतों से अतिरिक्त पानी निकाल दें।
- **जम्मू और कश्मीर** में प्रतिरोपत धान और सब्जियों में सिंचाई स्थगित कर दें। **उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्र** में मक्का, दालों और सब्जियों के खेतों में अतिरिक्त वर्षा जल का जमाव न होने दें। **मध्यवर्ती क्षेत्र में**, मक्का और सब्जियों में निराई और गुड़ाई का कार्य स्थगित कर दें। खरीफ दलहन में उचित जल निकास सुनिश्चित करें। घाटी के **समशीतोष्ण क्षेत्र** में, अतिरिक्त पानी निकालने के लिए दालों और फलियों में उचित जल निकासी चैनल बनाए रखें।
- **अरुणाचल प्रदेश** में बाजरा की बुआई और धान की ताजा रोपाई (निचली भूमि में) स्थगित कर दें। डब्ल्यूआरसी धान, बाजरा और मक्का में जल निकासी की उचित व्यवस्था करें।
- **मेघालय** में, नर्सरी क्यारियों के आस-पास उचित जल निकासी चैनल बनाए रखें। सब्ज़ियों के खेतों से अतिरिक्त पानी निकालने हेतु उचित व्यवस्था करें और निचले इलाकों में धान के खेतों में मेड़ों की मरम्मत करें।
- **मिज़ोरम** में, मक्के के पके हुए भुट्टों की कटाई करें। वर्षा जल को रोकने और अपवाह को कम करने के लिए धान के खेतों के चारों ओर मज़बूत मेड़ बनाएँ।

पशुपालन / मत्स्य पालन

- भारी वर्षा के दौरान पशुओं को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित आहार प्रदान करें।
- चारे को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित स्थान पर रखें।
- अतिरिक्त पानी को निकालने हेतु तालाब के चारों ओर उचित जाल का प्रयोग करके एक आउटलेट का निर्माण करें, जिससे अतिप्रवाह की स्थिति में मछलियों को बाहर निकलने से रोका जा सके।

तूफान / तेज़ हवाओं / तूफानी हवाओं के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- बागवानी फसलों, सब्जियों और युवा फलों के पौधों व फल देने वाले पौधों को तेज हवाओं के कारण गिरने से बचाने के लिए सहारा प्रदान करें।

आकस्मिक बाढ़ मार्गदर्शन:

<table>
<tr>
<td>
31-07-2025 को 11:30 IST तक आकस्मिक बाढ़ जोखिम (FFR) के लिए 24 घंटे का पूर्वानुमान
अगले 24 घंटों के दौरान निम्नलिखित मौसम उप-मंडलों के कुछ जलग्रहण क्षेत्रों और आसपास के क्षेत्रों में कम से मध्यम आकस्मिक बाढ़ का खतरा होने की संभावना है।

हिमाचल प्रदेश - चंबा, कांगड़ा, कुल्लू, मंडी, सिरमौर और सोलन जिले।
जम्मू और कश्मीर एवं लद्दाख - अनंतनाग, बड़गाम, बांदीपुर, बारामुला, डोडा, गंदेरवाल, कठुआ, किस्तवाड़, कुलगाम, कुपवाड़ा, पुंछ, रियासी, उधमपुर, कारगिल, लेह और लद्दाख, मीरपुर और मुजफ्फराबाद जिले।
उत्तराखंड - अल्मोड़ा, चंपावत और पिथौरागढ़ जिले।

अगले 24 घंटों में अपेक्षित वर्षा के कारण, मानचित्र में दिखाए गए अनुसार, चिंताजनक क्षेत्र (AoC) के ऊपर कुछ पूरी तरह से संतृप्त मिट्टी और निचले इलाकों में सतही अपवाह/जलप्लावन हो सकता है।
</td>
<td>
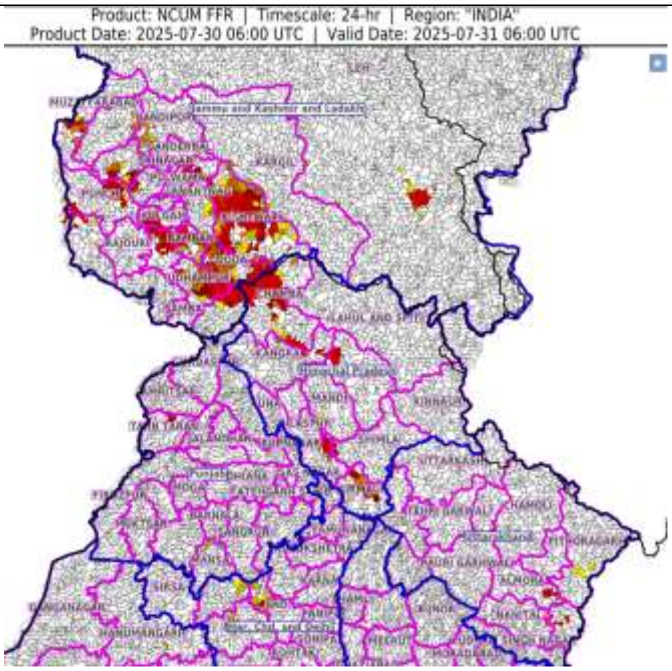

</td>
</tr>
<tr>
<td>
31-07-2025 को 11:30 IST तक फ्लैश फ्लड रिस्क (FFR) के लिए 24 घंटे का पूर्वानुमान
अगले 24 घंटों के दौरान निम्नलिखित मौसम उप-मंडलों के कुछ जलग्रहण क्षेत्रों और आसपास के क्षेत्रों में कम से मध्यम फ्लैश फ्लड का खतरा होने की संभावना है।
असम और मेघालय - पूर्वी खासी हिल्स, पश्चिमी खासी हिल्स और जयंतिया हिल्स जिले।
नागालैंड मिजोरम मणिपुर त्रिपुरा (NMMT)
मणिपुर: चंदेल, सेनापति, तामेंगलोंग और उखरुल जिले
नागालैंड: किफिर, लोंगलेंग, मोकोकचुंग, मोन, पेरेन, फेक, तुएनसांग और जुन्हेबोट जिले

अगले 24 घंटों में अपेक्षित वर्षा के कारण, मानचित्र में दिखाए गए अनुसार, चिंताजनक क्षेत्र (AoC) के ऊपर कुछ पूरी तरह से संतृप्त मिट्टी और निचले इलाकों में सतही अपवाह/जलप्लावन हो सकता है।
</td>
<td>
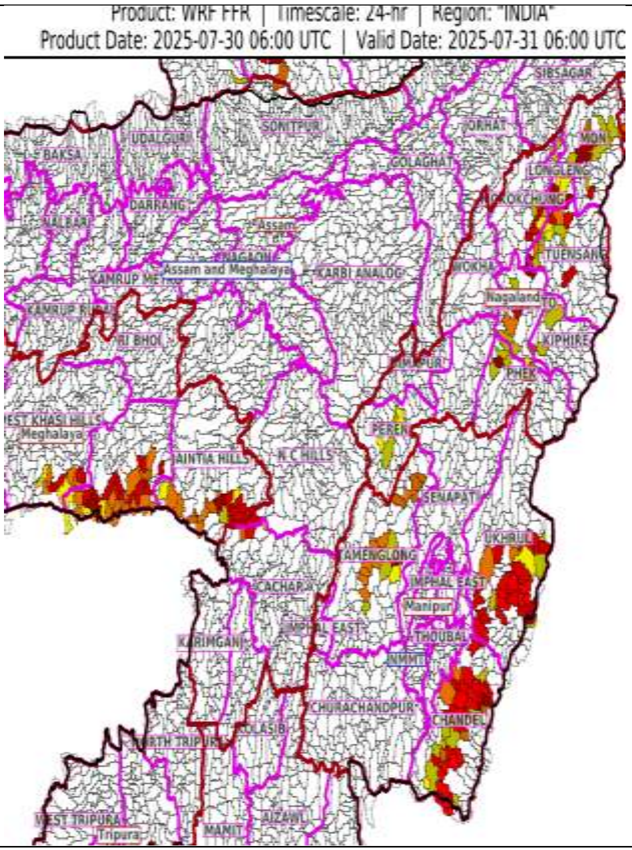

</td>
</tr>
</table>

31-07-2025 को 11:30 IST तक आकस्मिक बाढ़ जोखिम (FFR) का 24 घंटे का पूर्वानुमान

अगले 24 घंटों के दौरान निम्नलिखित मौसम उप-मंडलों के कुछ जलग्रहण क्षेत्रों और आसपास के क्षेत्रों में कम से मध्यम आकस्मिक बाढ़ का खतरा होने की संभावना है।
ओडिशा - अनुगुल, बालेश्वर, देवगढ़, केंदुझार, मयूरभंज और सुंदरगढ़ जिले।
पश्चिम बंगाल के गंगा क्षेत्र - पूर्व मेदिनीपुर, हावड़ा, उत्तर 24 परगना, पश्चिम मेदिनीपुर, पुरुलिया और दक्षिण 24 परगना जिले।

अगले 24 घंटों में अपेक्षित वर्षा के कारण, मानचित्र में दर्शाए अनुसार, चिंताजनक क्षेत्र (AoC) के ऊपर कुछ पूर्णतः संतृप्त मिट्टी और निचले इलाकों में सतही अपवाह/जलप्लावन हो सकता है।

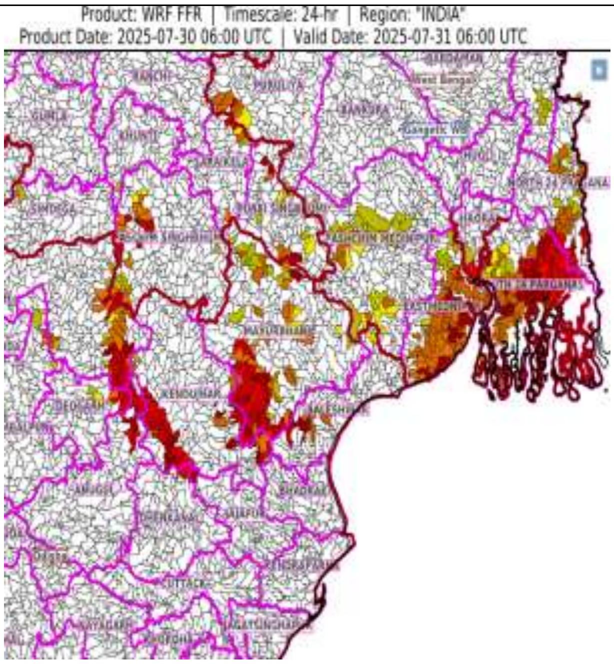

31-07-2025 को 11:30 IST तक आकस्मिक बाढ़ जोखिम (FFR) के लिए 24 घंटे का पूर्वानुमान
अगले 24 घंटों के दौरान निम्नलिखित मौसम उप-मंडलों के कुछ जलग्रहण क्षेत्रों और आसपास के क्षेत्रों में मध्यम आकस्मिक बाढ़ का खतरा संभव है।

पूर्वी राजस्थान - बांसवाड़ा, बारां, भीलवाड़ा, बूंदी, झालावाड़, कोटा, प्रतापगढ़, सवाईमाधोपुर और टोंक जिले।

पश्चिम मध्य प्रदेश - आगर-मालवा, भोपाल, गुना, मुरैना, नर्मदापुरम, रायसेन, राजगढ़, सीहोर, शाजापुर, श्योपुर, शिवपुरी और विदिशा जिले।

अगले 24 घंटों में अपेक्षित वर्षा के कारण, मानचित्र में दर्शाए अनुसार, चिंताजनक क्षेत्र (AoC) के ऊपर कुछ पूर्णतः संतृप्त मिट्टी और निचले इलाकों में सतही अपवाह/जलप्लावन हो सकता है।

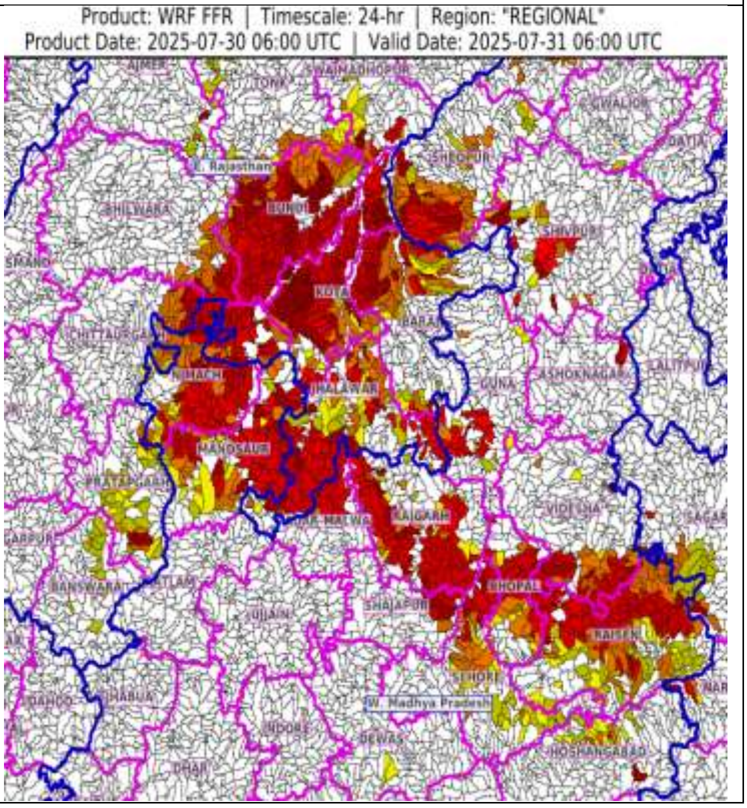

किंवदंतियाँ एवं संक्षिप्ताक्षर:

- भारी वर्षा: 64.5-115.5 मिमी; बहुत भारी वर्षा: 115.6-204.4 मिमी; अत्यधिक भारी वर्षा: >204.4 मिमी।

मौसम विज्ञान उप-विभागों का क्षेत्रवार वर्गीकरण:

- उत्तर-पश्चिम भारत: पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- मध्य भारत: पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- पूर्वी भारत: बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- पूर्वोत्तर भारत: अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा।
- पश्चिम भारत: गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठावाड़ा।
- दक्षिण भारत: तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तर आंतरिक कर्नाटक, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और लक्षद्वीप।

राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमान केन्द्र
भारत मौसम विज्ञान विभाग
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

National Weather Forecasting Centre
India Meteorological Department
Ministry of Earth Sciences

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसीमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आतंरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आतंरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप

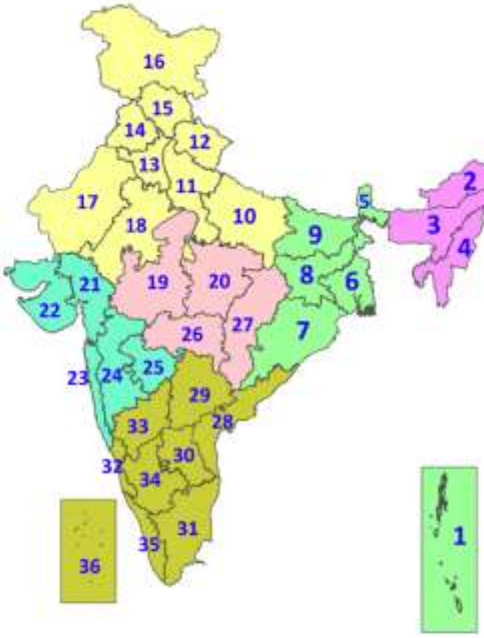

1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)

- Fog
- Heavy Rain
- Very Heavy Rain
- Extremely Heavy Rain
- Thunder & Lightning
- Hailstorm
- Dust Raising Winds
- Heavy Snow
- Dust Storm
- Heat Wave
- Warm Night
- Hot Day
- Hot & Humid
- Strong Surface Winds
- Cold Wave
- Cold Day
- Ground Frost

COLOUR CODED WARNING

- No Warning (No Action)
- Watch (Be Aware)
- Alert (Be Prepared To Take Action)
- Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit https://mausam.imd.gov.in or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)